3. ट्रेड संगठनों के साथ परामर्श करके भारत सरकार की औद्योगिक एवं आर्थिक नीतियों को पुनः तैयार करना ।

4. आफ लोडिंग आफ जाब्स तथा स्थायी एवं चिरस्थायी प्रकृति के कार्यों में ठेके पर कर्मचारियों को लगाने पर सांविधिक प्रतिबंध लगाना ।

5. जनवरी, 1990 में आयोजित संगोष्ठी की सिफारिशों को पृष्ठांकित किए जाने वाले भारतीय श्रम सम्मेलन के निष्कर्षों पर आधारित प्रबंध में श्रमिकों की भागीदारिता के विधेयक को तत्काल अधिनियमित करना ।

6. सभी कर्मचारियों को बोनस भुगतान सुनिश्चित करना ।

7. पेंशन के संबंध में बी.पी.ई. के परिपत्र को समाप्त करना तथा पेंशन स्कीम को तत्काल अंतिम रूप देना ।

8. त्रिपक्षीय डी.ए. समिति की सिफारिशों को तत्काल अंतिम रूप देना ।

9. एन.आई.टी. को को भेजे गए संदर्भ को वापस लेना । वेतन के संशोधन पर द्विपक्षीय बातचीत प्रारंभ करना । अंतिम निर्णय लिये जाने तक तत्काल अंतरिम राहत का भुगतान किया जाए ।

II. भारतीय विमान तकनीशियन संघ

1. वायु निगम अधिनियम, 1953 के निरसन संबंधी प्रस्ताव को वापस लिया जाए ।

2. एन.आई.टी. को भेजे गए संदर्भ वापस लिए जाएं और द्विपक्षीय बातचीत शुरू की जाए ।

3. मांगपत्र को अंतिम रूप दिये जाने तक अंतरिम राहत का भुगतान किया जाए ।

4. इंडियन एयरलाइंस के सभी कर्मचारियों के लिये समुचित पेंशन योजना लागू की जाए ।

5. मौजूदा डी.ए. टैरिफ को तत्काल अंतिम रूप दिया जाए ।

6. बोनस की अधिकतम सीमा को बढ़ाया जाए ।

7. तकनीशियनों के लिये अनुमोदन प्रणाली शुरू की जाए ।

8. निरीक्षकों का अधिक अनुमोदना/कवरेज ।

9. मौजूदा वर्क लोड से ठेके के सभी उपायों को रोका जाए ।

10. समानता/सापेक्षता कायम रखी जाए ।

11. अन्य सभी लंबित मामलों को निपटाया जाए ।

Transportation of Books by Air India

4161. SHRI JOHN F. FERNANDES: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether his Ministry have received any requests from various State Governments/Institutions to permit Air India to transport rare books donated by foreign countries/universities;

(b) if so, how many such requests have been received Statewise and the names of Indian Institutions who applied; and

(c) what is Government's response thereto?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) No, Sir.

(b) and c) Do not arise.